

MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY: UDAIPUR

MASTER OF ARTS IN HINDI LITERATURE (semester)

1. **Duration of the Course:** The Master of Arts (Hindi Literature) course will be of four semester duration to be conducted in two years. Each semester will be of approximately five months (minimum 90 working days in a semester) duration.

2. **Eligibility:** Candidates seeking admission to the first semester of Master of Arts in Hindi Literature must have a B.A. or an equivalent degree with 48% marks. Candidates who have studied in Hindi Literature honors at BA level will be preferred

एम.ए.(पूर्वाद्ध)

प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र— MAH102

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) भाग—1

इकाई – I

आधुनिकता का अर्थ एवं स्वरूप, 1857 की क्रांति और पुनर्जागरण, नया आर्थिक ढाँचा : नये सम्बन्ध
भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ।

इकाई – II

द्विवेदी युग – प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ
द्विवेदी युगीन गद्य की प्रवृत्तियाँ ।

इकाई – III

छायावाद – अर्थ, प्रमुख कवि (जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानन्दन पंत, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला',
महादेवी वर्मा) रचनाएँ एवं प्रवृत्तियाँ, स्वच्छन्दतावाद और छायावाद, नवीन
सौन्दर्यबोध, कल्पना, मुक्त छंद और स्वातंत्र्यचेतना ।

इकाई – IV

प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद – प्रमुख कवि, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

इकाई – V

नयी कविता और समकालीन कविता – प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास—रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, ए-95, सेक्टर-5
नोयडा-201301
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन 2/38 अंसारी
4. हिन्दी साहित्य : स्वरूप एवं संवेदना – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, 15
ए, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद – 1
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सामान्य परिचय – विश्वनाथ त्रिपाठी, एन.सी.ई.आर.टी., श्री
अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली-110016
6. हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीलाल वैरागी, संघी प्रकाश, सी- 177
महावीर मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर – 302017
7. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास—डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ—डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद